संख्या– /XV-3/2015-08(02)/2014(बजट)

प्रेषक,

डॉ0 रणबीर सिंह,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
मत्स्य विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग–03 (मत्स्य) **देहरादूनः दिनांक 23 नवम्बर, 2015**

विषय– पर्वतीय क्षेत्रों में मत्स्य तालाब निर्माण योजनान्तर्गत वर्ष 2015–16 हेतु वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपने पत्र सं0–1102 / पर्व0म0ता0नि0यो0 / 2015–16, दिनांक 23 अक्टूबर, 2015 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, तद्संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मत्स्य विभाग की पर्वतीय क्षेत्रो में मत्स्य तालाब निर्माण योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2015–16 में मद में प्राविधानित धनराशि ₹ 25.00 लाख में से ₹ 6.25 लाख निर्गत करने के पश्चात अवशेष ₹ 18.75 लाख की धनराशि के सापेक्ष संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार कुल **₹ 18.75 लाख (₹ अठारह लाख, पिचहत्तर हजार मात्र)** की धनराशि निम्नलिखित शर्तो एवं प्रतिबन्धों के अधीन आहरण कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :–

1. धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए।
2. स्वीकृत धनराशि का उपयोग शासन द्वारा समय–समय पर जारी किये गये मितव्ययता संबंधी आदेशों व वित्तीय हस्तपुस्तिका में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत किया जायेगा।
3. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक प्रतिमाह की 5 तारीख तक बी0एम0–08 प्रपत्र पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।
4. इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों एवं क्रय संबंधी शासनादेशों का पालन किया जायेगा। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
5. वित्त अनुभाग–1 के शासनादेश दिनांक 04 जून, 2015 के अनुसार अग्रेत्तर कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगीं।

क्रमशः......2

6. जो बिल कोषागार को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जायें, उनमें स्पष्टरूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्यमेव किया जायेया।
7. धनराशि का उपयोग उपरान्त कराये गये कार्यों की योजनावार/लाभार्थीवार/ग्रामवार सूची एवं व्यय का विवरण शासन/नियोजन विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
8. योजना के सम्बन्ध में **उपयोगिता प्रमाण पत्र फोटोग्राफ** सहित शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

2– उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015–15 में अनुदान संख्या–28 में लेखाशीर्षक–2405–मछलीपालन–00–आयोजनागत–101–अन्तर्देशीय मछली पालन–03–पर्वतीय क्षेत्रों में मत्स्य तालाब निर्माण योजना–20–सहायक अनुदान/अंशदान /राज सहायता मद के नामे डाला जायेगा।

3– यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या–96(P)/XXVII-4/2015, दिनांक 19 नवम्बर, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किया जा रहा है।

संलग्नकःयथोपरि।

भवदीय,

(डॉ0 रणबीर सिंह)
प्रमुख सचिव

संख्या– 133 (1)/XV-3/2015-08(02)/2014(बजट),तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेशित :–

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ/गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड (हरिद्वार/उधमसिंहनगर को छोड़कर)।
4. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड (हरिद्वार/उधमसिंहनगर को छोड़कर)।
5. निजी सचिव, मा0 मंत्री, मत्स्य को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ प्रेषित।
6. वित्त अनुभाग–4/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. निदेशक, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(महावीर सिंह चौहान)
उप सचिव

क्रमशः.....3

शासनादेश संख्या– 133 /XV-3/2015-08(02)/2014(बजट), दिनांक 23 नवम्बर, 2015 का संलग्नक

वित्तीय वर्ष 2015–16 में पर्वतीय क्षेत्रों में मत्स्य तालाब निर्माण योजनान्तर्गत धनराशि ₹ 18.75 लाख के सापेक्ष जनपदवार धनराशि का वितरण तथा भौतिक लक्ष्यों का निर्धारणः–

क्र. स.	जनपद	तालाब निमार्ण व निवेश	प्रशिक्षण	फील्ड ट्रिप	गोष्ठी	प्रचार प्रसार एवं साहित्य	कुल धनराशि
–1–	–2–	–3–	–4–	–5–	–6–	–7–	–8–
1.	उत्तरकाशी	0.75	0.0375	0.50	0.10	0.136	1.5235
2.	टिहरी गढ़वाल	1.00	0.0375	0.50	0.10	0.135	1.7725
3.	चमोली	1.00	0.0375	0.50	0.10	0.135	1.7725
4.	रूद्रप्रयाग	1.00	0.0375	0.50	0.10	0.135	1.7725
5.	पौड़ी गढ़वाल	1.00	0.0375	0.50	0.10	0.135	1.7725
6.	देहरादून	1.00	0.0375	0.50	0.10	0.1355	1.7730
7.	पिथौरागढ़	0.75	0.0375	0.50	0.10	0.136	1.5235
8.	अल्मोड़ा	0.75	0.0375	0.50	0.10	0.135	1.5225
9.	बागेश्वर	1.00	0.0375	0.50	0.10	0.135	1.7725
10.	चम्पावत	1.00	0.0375	0.50	0.10	0.135	1.7725
11.	नैनीताल	1.00	0.0375	0.50	0.10	0.135	1.7725
योग		10.25	0.4125	5.50	1.10	1.4875	18.75

भौतिक लक्ष्यः–

क्र. स.	जनपद	पर्वतीय तालाब निमार्ण (यूनिट 0.005 है0)	प्रशिक्षण (संख्या)	फील्ड ट्रिप (संख्या)	गोष्ठी (संख्या)	प्रचार प्रसार एवं साहित्य
–1–	–2–	–3–	–4–	–5–	–6–	–7–
1.	उत्तरकाशी	03 यूनिट (0.015 है0)	5	5	01	योजनान्तर्गत मत्स्य पालन सम्बन्धी साहित्य, बैनर, फ्लैक्स बैनर एवं अन्य की व्यवस्था
2.	टिहरी गढ़वाल	04 यूनिट (0.020 है0)	5	5	01	
3.	चमोली	04 यूनिट (0.020 है0)	5	5	01	
4.	रूद्रप्रयाग	04 यूनिट (0.020 है0)	5	5	01	
5.	पौड़ी गढ़वाल	04 यूनिट (0.020 है0)	5	5	01	
6.	देहरादून	04 यूनिट (0.020 है0)	5	5	01	
7.	पिथौरागढ़	03 यूनिट (0.015 है0)	5	5	01	
8.	अल्मोड़ा	03 यूनिट (0.015 है0)	5	5	01	
9.	बागेश्वर	04 यूनिट (0.020 है0)	5	5	01	
10.	चम्पावत	04 यूनिट (0.020 है0)	5	5	01	
11.	नैनीताल	04 यूनिट (0.020 है0)	5	5	01	
योग		41 यूनिट (0.025 है0)	55	55	11	

(डॉ0 रणबीर सिंह)
प्रमुख सचिव